कोविड–19 से जंग में मदद को बढ़ाए विराट ने हाथ, पीएम–केयर्स फंड में करेंगे मदद

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली ने भी कोविड–19 से जंग में अपना योगदान देने का फैसला किया है। कोहली ने सोमवार को ट्वीट कर कहा कि वह और उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा पीएम–केयर्स और महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री राहत कोष में मदद करेंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश से पीएम–केयर्स फंड में मदद करने की अपील की थी जिसके बाद खेल जगत से जुड़े कई लोगों ने इसमें अपना योगदान दिया है। कोविड–19 से जंग में खेल जगत भी अपनी भूमिका निभा रहा है। सचिन तेंडुलकर ने 50 लाख, सुरेश रैना ने 52 लाख, पीवी सिंधु ने 10 लाख रुपये देने का फैसला किया। विराट ने ट्विटर पर लिखा, अनुष्का और मैं पीएम–केयर्स फंड और मुख्यमंत्री राहत कोष (महाराष्ट्र) में मदद करने की शपथ लेते हैं। इतने लोगों की परेशानी देखकर हमारा दिल दुखता है और हमें उम्मीद है कि हमारे सहयोग से शायद उनके दर्द कुछ हद तक कम करने में मदद मिले।

30 लाख कमाकर रांची में सेट होना चाहते थे धोनी

क्रिकेट

वसीम जाफर ने सोशल मीडिया पर अपने फैंस के साथ सवाल-जवाब में किया खुलासा

- आईपीएल से उनकी वापसी की थी उम्मीदें, लेकिन फिलहाल 15 अप्रैल तक टली लीग
- धोनी की कप्तानी में भारत ने जीता 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लगभग आठ महीने तक दूर रहने के बावजूद महेंद्र सिंह धोनी दुनियाभर के सबसे लोकप्रिय क्रिकेटरों में से एक हैं। टीम इंडिया के पूर्व कप्तान धोनी हालांकि एक समय क्रिकेट से 30 लाख रुपये कमाकर रांची में सेट होना चाहते थे। यह जानकारी पूर्व भारतीय क्रिकेटर वसीम जाफर ने सोशल मीडिया पर दी है।

अपनी कप्तानी में 2007 टी20 वर्ल्ड कप और 2011 वनडे वर्ल्ड कप दिलाने वाले धोनी के फैंस की कमी नहीं है और दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में उनके चाहने वाले मौजूद हैं।

जब उन्होंने दिसंबर 2004 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत की, तो शायद उन्होंने सोचा नहीं था कि वह इस खेल के सबसे सफल क्रिकेटरों में से एक बन जाएंगे। कई खिलाड़ी जो छोटे शहरों से आते हैं, उनकी तरह धोनी की भी न्यूनतम महत्वाकांक्षाएं थीं।

पूर्व भारतीय ओपनर वसीम जाफर, जिन्होंने अपने शुरुआती दिनों के दौरान धोनी के साथ ड्रेसिंग रूम साझा किया था, ने बताया कि वह क्रिकेट खेलने से 30 लाख रुपये कमाना चाहते थे।

इस महीने की शुरुआत में क्रिकेट के सभी फॉर्मेट से संन्यास लेने वाले जाफर ने ट्विटर पर अपने फैंस के साथ बातचीत में यह बात लिखी। एक फैन ने पूछा कि धोनी के साथ उनकी सबसे पसंदीदा याद बताएं तो उन्होंने लिखा, जब उन्हें भारत के लिए खेलते हुए 1–2 साल ही हुए थे, तो मुझे याद है कि उन्होंने कहा था– मैं क्रिकेट खेलने से 30 लाख रुपये कमाना चाहता हूं ताकि आराम से रांची में अपनी बाकी जिंदगी बिता सकूं।

पिछले साल जुलाई में वर्ल्ड कप सेमीफाइनल में भारत के लिए आखिरी बार खेलने वाले धोनी आईपीएल के 13वें सीजन से मैदान पर वापसी करने वाले थे लेकिन फिलहाल इस प्रतिष्ठित लीग को कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों के कारण 15 अप्रैल तक स्थगित किया गया है।

25 लाख रुपये में बिका दिवंगत एनबीए स्टार कोबी ब्रायंट का तौलिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

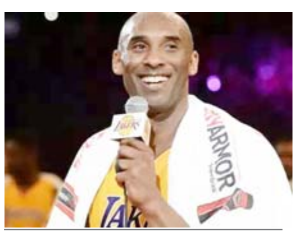

नई दिल्ली। बास्केटबॉल स्टार कॉब ब्रायंट का तौलिया 33 हजार डॉलर में नीलाम हुआ है। यह तौलिया ब्रायंट ने 2016 में अपने आखिरी मैच के बाद फेयरवेल स्पीच के दौरान कंधे पर रखा था। रविवार को वर्चुअल नीलामी में इस तौलिए को भारतीय रुपये के अनुसार लगभग 25 लाख रुपये में खरीदा गया।

सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक आइकॉनिक ऑक्शन्स के अध्यक्ष जेप वूल्फ ने यह जानकारी दी। इस नीलामी में ब्रायंट के तौलिए के साथ ही दो जैकेट भी नीलाम की गईं। इनके साथ ही प्रमाणिकता पत्र भी दिया गया। 13 अप्रैल 2016 को ब्रायंट ने लॉस एंजेलिस लेकर्स की ओर से अपना आखिरी मुकाबला खेला था। उताज जैच के खिलाफ इस मैच में उन्होंने 60 अंक बनाए थे।

पांच बार एनबीए चौंपियन ने स्टेपल सेंटर पर अपनी स्पीच का अंत ट्रेडमार्क श्मंबा आउटश के जरिए किया था। इसके बाद एक फैन ने वह तौलिया उनसे ले लिया, और फिर शुरू हुआ इसके बार–बार बिकने का सिलसिला। नीलामी डेविड कोहलर ने जीती जो लेकर्स के बड़े फैन हैं और उससे जुड़ी चीजें जमा करने का शौक रखते हैं। इससे पहले पिछले महीने भी उन्होंने ब्रायंट के साइन की हुई स्कूल बुक को 30 हजार डॉलर में खरीदा था।

ब्रायंट उनकी 13 साल की बेटी जियाना की 26 जनवरी को एक हेलिकॉप्टर दुर्घटना में मौत हो गई थी। इस हादसे में नौ अन्य लोग भी मारे गए थे। ब्रायंट लेकर्स की ओर से एनबीए में सबसे ज्यादा स्कोर करने वाले खिलाड़ी रहे। वहीं सभी खिलाड़ियों में उनका नंबर चौथा था। उन्होंने कुल 33463 पॉइंट्स बनाए थे। उन्होंने अमेरिका के लिए 2008 और 2012 ओलिंपिक में गोल्ड मेडल जीता था। ब्रायंट को 2018 में बनी एनिमेशन फिल्म श्डियर बास्केटबॉलश के लिए अकादमी अवॉर्ड भी मिला था।

5 साल की निशानेबाज ईशा सिंह दी पीएम केयर्स फंड में मदद, खेलमंत्री बोले, आप असली चौंपियन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। देश मुश्किल घड़ी में है और ऐसे में अगर आप कुछ करना चाहते हैं तो उम्र मायने नहीं रखती। ऐसा ही कुछ 15 साल की निशानेबाज इशा सिंह ने किया है। इशा ने कोविड–19 से लड़ने के लिए पीएम–केयर्स फंड में दान किया है। केंद्रीय खेल और युवा मामलों के मंत्री किरन रिजिजू ने रविवार को इस किशोर निशानेबाज की खूब तारीफ की। इशा ने फंड मे 30 हजार रुपये दिए। रिजिजू ने ट्वीट किया, प्यारी इशा, आप सिर्फ 15 साल की हैं लेकिन आपने दिखा दिया कि आप असली चौंपियन हैं! आपने पीएमकेयर फंड में मदद करने का खूबसूरत काम किया है।

इससे पहले क्रिकेटर सुरेश रैना ने पीएम केयर्स फंड में 31 लाख और उत्तर प्रदेश मुख्यमंत्री फंड में 21 लाख रुपये कोविड–21 वायरस से लड़ने के लिए दिए थे। शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस आपात स्थिति से उबरने के लिए पीएम–केयर्स फंड बनाने की घोषणा की थी और लोगों से इसमें मदद करने की अपील की थी।

न्यूज डायरी

आईपीएल पर अभी कोई फैसला नहीं, हालात पर है नजरः बीसीसीआई सूत्र

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के सूत्रों ने सोमवार को कहा कि इस साल की इंडियन प्रीमियर लीग को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया गया है। देश में कोविड–19 वैश्विक महामारी के कारण 21 दिनों का लॉकडाउन है और ऐसे में इस लीग के आयोजन को लेकर संशय बरकरार है। बीसीसीआई के सूत्र ने बताया, आईपीएल को लेकर अभी कोई फैसला नहीं किया गया है। हम हालात पर करीबी नजर बनाए हुए हैं। और हम उसी के हिसाब से कोई फैसला लेंगे। इससे पहले, बीसीसीआई ने आईपीएल के इस सीजन को 15 अप्रैल तक के लिए स्थगित कर दिया था। पहले इस लीग के इस सीजन की शुरुआत 29 मार्च को होनी थी। ऐसा कोविड–19 महामारी के प्रभाव के चलते किया गया था।

पाकिस्तान के महान स्क्वैश खिलाड़ी आजम खान की कोरोना से गई जान

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) कराची। पाकिस्तान के दिग्गज स्क्वैश खिलाड़ी रहे आजम खान की लंदन में घातक कोरोना वायरस से मौत हो गई, उनके परिवार ने रविवार को यह जानकारी दी। साल 1959 से 1961 के बीच लगातार ब्रिटिश ओपन का खिताब जीतने वाले आजम का पिछले सप्ताह ही कोविड–19 टेस्ट पॉजिटिव आया था। शनिवार को लंदन के ईलिंग अस्पताल में उनका निधन हो गया। वह 95 साल के थे। महान खिलाड़ी रहे हाशिम खान के छोटे भाई आजम को दुनिया के सर्वश्रेष्ठ स्क्वैश खिलाड़ियों में गिना जाता था। उन्होंने 1962 में चोट और अपने 14 वर्षीय बेटे की दुखद मौत के कारण खेलना छोड़ दिया था। हालांकि दो साल बाद वह अपनी चोट से उबर गए, लेकिन आजम ने तब कहा था कि वह अपने बेटे की मौत के गम से उबर नहीं सके। पाकिस्तान में पेशावर के बाहर एक छोटे से गांव नवाकिले में जन्में आजम ब्रिटेन में 1956 में बस गए थे।

जूनियर गोल्फर की दादी ने दान की अपनी एक साल की पेंशन

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। चीन से फैले घातक कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारतीय नागरिक खूब योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अपील के बाद से कई संस्थाएं, खेल जगत की दिग्गज हस्तियों समेत बड़ी संख्या में लोग आगे आए हैं। ऐसे ही एक जूनियर गोल्फर की दादी ने भी अपनी एक साल की पेंशन दान करने का फैसला किया है। नोएडा में रहने वाले जूनियर वर्ल्ड गोल्फ चौंपियन रहे अर्जुन भाटी ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि उनकी दादी ने अपनी एक साल की पेंशन दान करने का फैसला किया। उन्होंने लिखा, दादी भावुक होकर बोलीं कि अर्जुन देश ने बहुत दिनों तक मदद की है। दादा जी सेना में थे और 2005 के बाद से दादी को ही उनकी पेंशन मिल रही है। अर्जुन ने आगे लिखा, श्दादी मुझसे बोलीं कि मुश्किल समय में मुझे भी देश के लिए कुछ करना है। देश आज मुसीबत में है, और 1 साल की पेंशन– कुल 206148 रुपये– मोदी जी को आज ही भेजो। उन्होंने पीएम मोदी को टैग भी किया।

अपनी एक महीने की सैलरी देंगी ऐथलीट हिमा दास

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। स्टार भारतीय स्प्रिंटर हिमा दास ने कोरोना वायरस महामारी से निपटने के लिए अपनी एक महीने की सैलरी दान करने का फैसला किया है। हिमा दास असम के ब्टप्क–19 राहत कोष में अपना वेतन दान करेंगी।

भारत में कोरोना वायरस से जुड़े मामले लगातार बढ़ते जा रहे हैं। चीन से फैले इस घातक वायरस से दुनियाभर में अब तक 22 हजार से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और दिग्गज हस्तियां इससे बचाव के लिए घर पर रहने की अपील कर रही हैं।

अर्जुन अवॉर्डी ऐथलीट हिमा ने ट्वीट किया, दोस्तों यह साथ खड़े होने और उन लोगों को सपॉर्ट करने का समय है, जिन्हें हमारी जरूरत है। मैं असम सरकार के असम आरोग्य निधि अकाउंट में अपनी एक महीने की सैलरी दे रही हूं। यह अकाउंट कोविड–19 के खिलाफ जंग में लोगों के स्वास्थ्य के लिए बनाया गया है।